हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

PRESS RELEASE

QUANTUM JUMP IN EXPORTS OF LACE AND LACE PRODUCTS

EPCH SET UP INTERNATIONAL LACE TRADE CENTRE AT NARSAPUR, WEST GODAVARI DISTRICT

New Delhi – May 10, 2019 -- For overall growth of handicrafts products being produced by artisans, craftpersons and small and tiny entrepreneurs, EPCH since its inception has created infrastructural facilities in different craft clusters of the Country in the form of Common facility centre, National Centre for Photo and Picture Framing Technology, Technology Upgradation Centre and Wood Seasoning Plant at Saharanpur, Trade Facilitation centre at Jodhpur, Handicraft Productivity Centre at Jaipur and National Centre for Design and Product Development, New Delhi etc. informed Shri Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

Shri Kumar further informed Narsapur is an important craft cluster from the point of view of concentration of women artisans, producers and exporting community of lace products, Council has set up International Lace Trade Centre [ILTC] at West Godavari District at Narsapuram with the support of O/o Development Commissioner [Handicrafts]under Comprehensive Handicrafts Cluster Development Scheme (CHCDS) of Ministry of Textiles.

The ILTC have facilities such as exhibition halls, auditorium, open air theatre, meeting rooms, ample facilities for craft bazaar, accommodation for buyers and designers besides administrative set up etc.

The objective of this Centre is to help craftpersons, artisans, producers and exporters in the East and West Godavari region of Andhra Pradesh to develop new designs, to adopt production techniques of lace products, its marketing and exports through exhibition and craft bazaar etc. This centre also enable the producing and exporting community to interact with the foreign experts, designers and buyers with regard to product development and ultimate exports.

It is estimated that more than one lakh women artisans are involved in making of lace products as part time for their livelihood. More than 80% of the exports of lace products originate from the East and West Godavari region. The quality, workmanship and finish of lace products in Narsapur area is well known in entire India and also in major global markets of US, Europe and Japan said Mr. Kumar.

Council has taken various initiatives for enhancing designs and quality of lace and lace products by organising skill development programme in different segments such as Training of value-added skills on Crochet, Training on stitching and garmenting, Training of Dyeing, Training on Entrepreneurship Development Programs and Capacity Building.

Apart from above, EPCH also arrange linkage of designers to the centre to help in develop new designs as prevalent in International markets and marketing linkages to the products being produced by artisans of Narsapur at various Internationals fairs such as IHGF-Delhi Fair, Reverse Buyer-seller meet at ILTC, International fairs during Heimtextil, Birmingham Spring fair in UK etc.

Shri Kumar elaborated that EPCH is also going to set a dyeing unit at ILTC as the artisans have to travel very long for such services which are available approx. 200 km away from Narsapur.

Shri Kumar informed that quantum jump in exports of lace and lace products has witnessed after the setting up of International Lace Trade Centre at Narsapur. The exports of lace and lace products was to the tune of Rs. 17.75 crores in 2013-14 which has now reached to Rs. 26.57 crores in 2017-18.

The overall Handicrafts exports during the year 2018-19 is Rs. 26,590.25 crores [prov.] registering a growth of 15.46% over the previous year. said Shri Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

For further information, please contact:
Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH at 91+9818272171

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

PRESS RELEASE

लेस और लेस उत्पादों के निर्यात में बड़ी मात्रा में वृद्धि

ईपीसीएच ने नरसापुर, पश्चिम गोदावरी जिले में अंतरराष्ट्रीय लेस व्यापार केंद्र स्थापित किया.

नई दिल्ली – 10th मई 2019- ईपीसीएचस के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने सूचित किया कि ईपीसीएच ने अपनी स्थापना के बाद से कारीगरों, शिल्पकारों, लघु और बहुत छोटे उद्यमियों के द्वारा तैयार उत्पादों के समग्र विकास के लिए देश के विभिन्न शिल्प समूहों में कॉमन फसिलिटी सेंटर, नेशनल सेंटर फॉर फोटो एवं पिक्चर फ्रेंमिंग टेक्नोलॉजी, टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन सेंटर एवं वुड सिजनिंग प्लांट, सहारनपुर; जोधपुर में ट्रेड फसिलिटी सेंटर; जयपुर में हस्तशिल्प उत्पादकता केंद्र और नई दिल्ली में नेशनल सेंटर फॉर डिजाइन एवं प्रोडक्ट डेवलपमेंट इत्यादि स्थापित किय है.

श्री कुमार ने बताया कि लेस उत्पादों की महिला कारीगरों, उत्पादकों और निर्यात समुदाय के जमाव (उपलब्धता) के लिहाज से नरसापुर एक महत्वपूर्ण शिल्प समूह (क्राफ्ट क्लस्टर) है, इसे देखते हुए ईपीसीएच ने कपड़ा मंत्रालय के व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) के तहत हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय की मदद से पश्चिम गोदावरी जिले के नरसापुर में अंतरराष्ट्रीय लेस केंद्र (आईएलटीसी) की स्थापना की है.

आईएलटीसी में प्रशासनिक ढांचे (सेट-अप) के साथ ही प्रदर्शनी हॉल, ऑडिटोरियम, ओपन एयर थियेटर, बैठक कक्ष, शिल्प बाजार के लिए पर्याप्त सुविधाएं, खरीदारों एवं डिजाइनरों के ठहरने की सुविधा इत्यादि उपलब्ध है.

इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य आंध्र प्रदेश में पूर्व एवं पश्चिम गोदावरी क्षेत्र के शिल्पकारों,
कारीगरों, उत्पादकों और निर्यातकों को नई डिजाइन विकसित करने, लेस उत्पादों की उत्पादन तकनीक बढ़ाने, प्रदर्शनी और शिल्प बाजारों के माध्यम से इसकी मार्केटिंग और निर्यात इत्यादि करना है.

यह केंद्र उत्पादन और निर्यात समुदाय को उत्पाद विकास और उसके निर्यात को लेकर विदेशी विशेषज्ञों, डिजाइनरों एवं खरीदारों से बात करने में भी सक्षम बनाता है.

अनुमान के मुताबिक करीब एक लाख से भी अधिक महिला कारीगर अपनी आजीविका के लिए लेस उत्पादों को बनाने में लगी हैं. वहीं देश से निर्यात 80% लेस उत्पादों के निर्यात का उत्पादन पूर्व और पश्चिम गोदावरी क्षेत्र से ही होता है.

श्री कुमार ने कहा कि यहां के लेस उत्पादों की गुणवत्ता, कारीगरी और फिनिश को न केवल भारत में बल्कि अमरीका, यूरोप और जापान जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी तरह से जाना जाता है.

परिषद ने विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित कर लेस और लेस उत्पादों की डिजाइन और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए कई पहल किये हैं, जैसे क्रोशिया कारीगरी के कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, स्टिचिंग और कपड़ा उत्पादन में प्रशिक्षण, डाइंग में प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास कार्यक्रम और क्षमता निर्माण में प्रशिक्षण.

इसके अलावा, ईपीसीएच इस केंद्र को उन डिजाइनरों से भी जोड़ता है जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रचलित डिजाइन के उत्पादन में उनकी मदद कर सके और नरसापुर के कारीगरों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को मार्केटिंग से जोड़ने के लिए विभिन्न अतंरराष्ट्रीय मेलों जैसे कि आईएचजीएफ-दिल्ली मेला, आईएलटीसी में रिवर्स बायर्स-सेलर मीट, हेमिटेक्सटिल के दौरान अंतरराष्ट्रीय मेला, ब्रिटेन में बर्मिंघम स्प्रिंग फेयर इत्यादि में नरसापुर के कारीगरों के बनाए जा रहे उत्पादों को पेश करने की व्यवस्था भी करता है.

श्री कुमार ने बताया कि ईपीसीएच ने आईएलटीसी में एक डाइंग सेंटर भी स्थापित करने जा रहा है क्योंकि कारीगरों को इसके लिए नरसापुर के से करीब 200 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है.

श्री कुमार ने बताया कि नरसापुर में इंटरनेशनल लेस ट्रेड सेंटर की स्थापना के बाद ही लेस और लेस उत्पादों में बड़ी मात्रा में वृद्धि हुई है. 2013-14 में लेस और लेस उत्पादों का निर्यात 17.75 करोड़ रुपये था जो 2017-18 में 26.57 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है.

ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने कहा कि कुल मिलाकर 2018-19 में हस्तशिल्प का (समग्र) निर्यात बीते वर्ष की तुलना में 26,590.25 करोड़ रुपये (अस्थायी आंकड़े) है, इसमें 15.46% की वृद्धि हुई है.

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें:
श्री राकेश कुमार, महानिदेशक, ईपीसीएच **91+9818272171**

International Lace Trade Centre

Training on Value Additional – Crochet is being imparted to women artisans

Training on Stitching Garmenting is being given at ILTC

Skill Development Programme is underway at ILTC